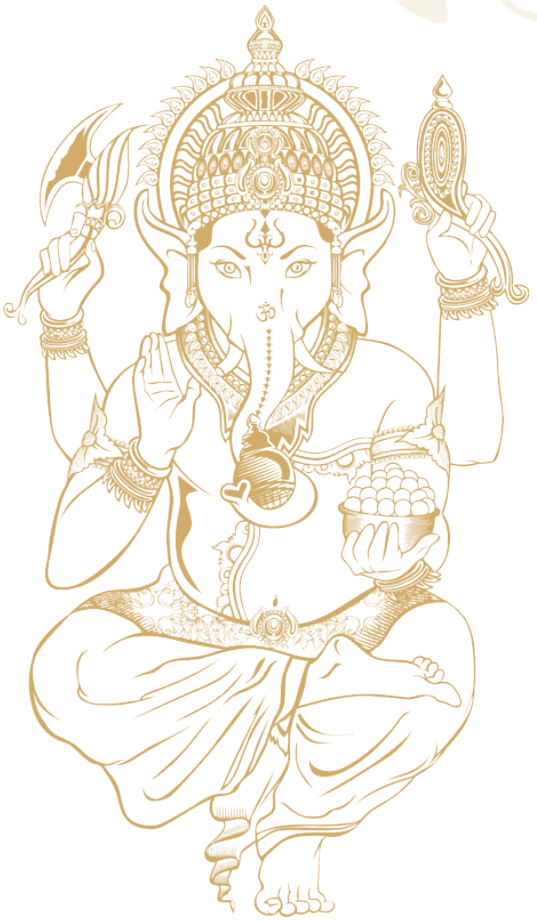

Nikunj Shrishti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121080802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/08/1997	जन्म तिथि	16-17/08/2002
बुधवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 06:15:00	जन्म समय	02:55:00 घंटे
घटी 00:23:53	जन्म समय(घटी)	52:00:13 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Dausa
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	26:51:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	76:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:26	सूर्योदय	05:56:29
19:17:41	सूर्यास्त	19:00:50
23:49:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 3वर्ष 4मा 19दि	27:43:22	कर्क	लग्न	मिथु	19:51:50	बुध 14वर्ष 7मा 15दि
शुक्र	26:29:54	कर्क	सूर्य	कर्क	29:56:29	शुक्र
31/12/2024	14:17:27	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	18:31:44	01/04/2024
31/12/2044	05:21:40	तुला	मंगल	कर्क	28:00:54	01/04/2044
शुक्र 02/05/2028	21:24:42	सिंह	बुध	सिंह	22:53:12	शुक्र 02/08/2027
सूर्य 02/05/2029	22:43:31	मक व	गुरु	कर्क	09:25:53	सूर्य 01/08/2028
चन्द्र 01/01/2031	00:43:56	कन्या	शुक्र	कन्या	15:49:29	चन्द्र 02/04/2030
मंगल 02/03/2032	26:25:37	मीन व	शनि	मिथु	02:32:01	मंगल 02/06/2031
राहु 03/03/2035	26:17:01	सिंह व	राहु	वृष	21:35:15	राहु 02/06/2034
गुरु 01/11/2037	26:17:01	कुंभ व	केतु	वृश्चि	21:35:15	गुरु 31/01/2037
शनि 31/12/2040	12:18:45	मक व	हर्ष व	कुंभ	03:05:29	शनि 01/04/2040
बुध 01/11/2043	04:08:55	मक व	नेप व	मक	15:17:44	बुध 31/01/2043
केतु 31/12/2044	09:00:17	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:02:07	केतु 01/04/2044

लग्न-चलित

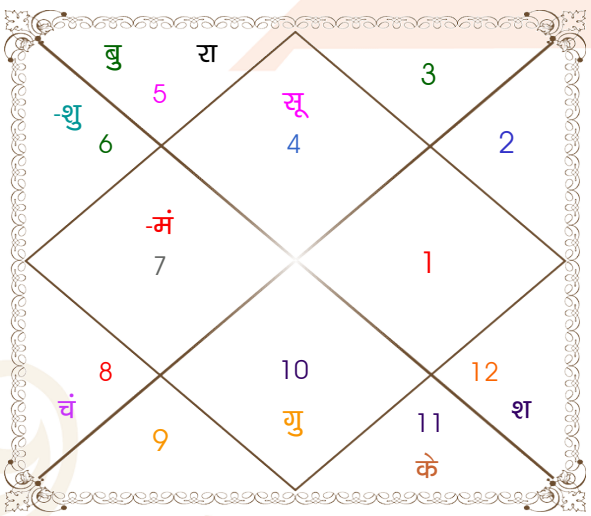

लग्न-चलित

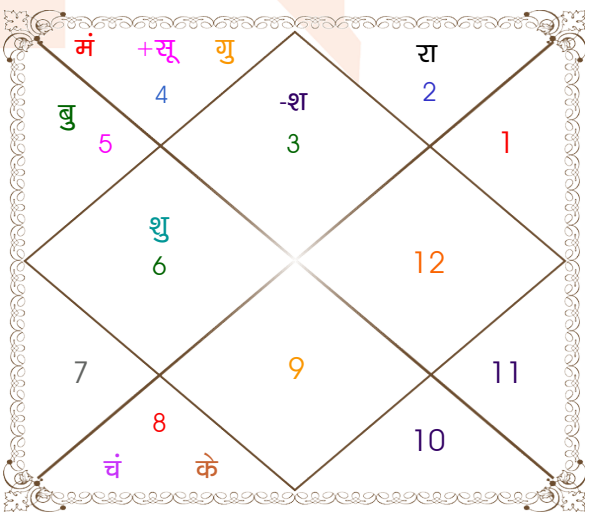

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

छपानदर का वर्ग सर्प है तथा ौतपीजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छपानदर और ौतपीजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छपानदर मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

ौतपीजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छपानदर तथा ौतपीजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।